श्वेत पत्र
देवघर, 06 जुलाई, रविवार 2014

पायल को मिला फातिमा बेगम राष्ट्रीय शिखर सम्मान

देवघर (निस)। झारखंड की पहली महिला निर्देशिका पायल कश्यप को झारखंड की संस्थान विवेकानंद शैक्षणिक सांस्कृतिक सह क्रीड़ा संस्थान एवं सोमयाग्य मानवोत्थान ट्रस्ट द्वारा फातिमा बेगम राष्ट्रीय शिखर सम्मान दिया गया।यह सम्मान उन्हें झारखंड में फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए दिया गया। इस बाबत उन्हें नवी मुम्बई की प्रख्यात लेखिका डॉ तारा सिंह के हाथों प्रशस्ति पत्र व राजस्थान जोधपुर के डॉ जनक सिंह मीणा, हिमांचल प्रदेश शिमला के डॉ कुंवर दिनेश सिंह व मेक्सिको के अध्यक्ष डॉ प्रदीप सिंह देव द्वारा संयुक्त रूप से मोमेन्टो प्रदान किया गया। सम्मान मिलने पर पायल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वैसे तो मुझे दिल्ली मुम्बई सहित कई शहरों में सम्मान मिलने पर पायल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वैसे तो मुझे दिल्ली, मुम्बई सहित कई शहरों में सम्मान मिल चुका है लेकिन यह सम्मान मेरे लिए खास इसलिए है कि फातिमा बेगम भारतीय सिनेमा इतिहास की पहली महिला निर्देशिका है और मैं झारखंड कि पहली महिला निर्देशिका।उन्होंने आयोजक व चयन कर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पुरस्कार मुझे सिने जगत में और आगे जाने के लिए प्रेरित करेगा। ज्ञात हो कि पायल ने अपने कैरियर की शुरूआत सहायक कलाकार के रूप में किया। बाद में कठिन परिश्रम व लगन के कारण आज एमें फीचर फिल्म निर्देशिका के रूप में उन्होंने अपनी सफलता का परचम माया नगरी में लहराया।

प्रभात खबर देवघर, सोमवार, 30 जून, 2014
www.prabhatkhabar.com

राष्ट्रीय शिखर सम्मान समारोह में दर्जनों कवि सम्मानित

शिखर सम्मान समारोह में उपस्थित कवि व अन्य गणमान्य लोग. फोटो : प्रभात खबर

संवाददाता, जसीडीह

संस्कृत अकादमी पुरस्कार विजेता कमलाकलम की शताब्दी जयंती तथा एक शाम कवियों के नाम की 100वीं संगोष्ठी के अवसर पर रविवार को जसीडीह पब्लिक स्कूल परिसर में राष्ट्रीय शिखर सम्मान समारोह सह राष्ट्रीय काव्य महोत्सव आयोजित किया गया. इस अवसर पर देवघर उपायुक्त अमित कुमार ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि इंजीनियर जैसे अपने काम करते हैं उसी प्रकार कवि भी साहित्य के क्षेत्र में काम करके समाज व देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं. वहीं कई विद्वानों ने अपने-अपने विचार में कहा कि साहित्यकार व कवि देश व जनता हित में सराहनीय योगदान दे रहे हैं. समारोह में देश के 13 राज्यों से दर्जनों कवियों ने भाग लिया. समारोह के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के हाथों केडी सिंह, एसपी सिंह, श्रीकांत झा,परेश दत्त डागे, डॉ प्रदीप सिंह देव, डॉ भारतेंदु दुबे, रामसेवक गुंजन, सहित दर्जनों कवि सम्मानित हुए. वहीं द्वितीय सत्र में काव्य सम्मेलन हुआ जिसमें कवियों ने कविता पाठ कर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया. समारोह का संचय संचालन रामसेवक गुंजन ने किया. मौके पर श्रीकांत झा, प्रो आरएन सिंह, डॉ प्रदीप सिंह देव, केडी सिंह, डॉ भारतेंदु दुबे, सुरेश प्रसाद सिंह आदि उपस्थित थे.

1971 में वराहगिरि वेंकट गिरी को भारत रत्न से सम्मानित किया गया

हिन्दुस्तान • देवघर • मंगलवार • 01 जुलाई 2014

जसीडीह पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय शिखर सम्मान समारोह का आयोजन

135 व्यक्तियों को मिला शिखर सम्मान

वैद्यनाथधाम | प्रतिनिधि

विवेकानंद संस्थान व योगमाया ट्रस्ट की ओर से जसीडीह पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। देश के 135 व्यक्तियों को विभिन्न पुरस्कारों से अलंकृत व विभूषित किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त अमित कुमार, संस्थान के अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह देव, ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेश प्रसाद सिंह श्वेतांश, हिन्दी विद्यापीठ के प्राचार्य श्रीकांत झा, पूर्व आइजी कपिलदेव सिंह, समसेवक गूंजन, प्रो रामनंदन सिंह, अंजनी कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सम्मान पानेवालों में डॉ तारा सिंह, डॉ शिवराम पंडित, डॉ देवेन्द्रनाथ साह, डॉ हरिभूषण मिश्र, मनोहर बाथम, कैलाश झा किंकर, दशरथ महतो, स्नेहलता, रामावतार अनुरागी, डॉ अनिता शर्मा, सुधीर कुमार, रवीन्द्र चंद्र भौमिक, डॉ बाबूलाल साहा, हीना चक्रवर्ती, प्रो अवेधश कुमार झा, कल्याणी कुसुम सिंह, कृष्णा कुमारी, चंद्रशेखर प्रसाद, पंकज कुमार झा, परेश दत्त द्वारी, हरिनारायण गुप्ता, संजय कुमार अखिलेश, राजकुमार प्रेमी, भगवान सिंह भास्कर, तपन कुमार घोष, जालेश्वर ठाकुर सौकीन, चंद्र प्रकाश जगदिश, रिंकु मिश्रा, सनातन कुमार बाजपेयी, सुरेश प्रसाद सिंह, गिरीश प्रसाद गुप्ता, कपिलदेव सिंह, हरिशंकर बर्मन, हिमांशु झा, प्रभाकर कांचरी, पायल कश्यप, उत्तम पीयूष, प्रदीप कुमार सिंहा, श्याम बेसरा, कुंवर दिनेश सिंह, महेन्द्र मर्पक, बबलू साह, कृष्णकांत मठपति, प्रबोध कुमार चंदोपाध्याय शामिल हैं।

उद्घाटन करते उपायुक्त समेत अन्य अतिथिगण।

दैनिक जागरण धनबाद, 1 जुलाई 2014

राष्ट्र को मजबूती प्रदान करते रचनाकार : डीसी

- विभिन्न प्रदेशों के 135 रचनाकारों को मिला सम्मान

संवाद सूत्र, जसीडीह (देवघर) : विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान एवं योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जसीडीह पब्लिक स्कूल परिसर में संस्कृत अकादमी पुरस्कार विजेता कमल रत्नम की जन्म शताब्दी तथा एक शाम कवियों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान देश के 135 रचनाकारों को राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कार समारोह के अंतर्गत सम्मानित किया गया। इसके पूर्व उपायुक्त अमित कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार सिंहदेव, सुरेश प्रसाद सिंह श्वेताभ, कार्यक्रम के संयोजक श्रीकांत झा, कपिलदेव सिंह, रामसेवक गुजन, अंजनी कुमार मिश्र समेत अन्य ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

उपायुक्त ने कहा कि सदियों से कवि व साहित्यकार अपनी लेखनी से राष्ट्र को मजबूती प्रदान करते आ रहे हैं। कार्यक्रम में लघु भारत

कवियत्री वंदे सम्मानित करते उपायुक्त

का नजारा देखने को मिल रहा है। यह प्रयास सराहनीय है। इस दौरान महाराष्ट्र दो, असम दो, छत्तीसगढ़ एक, बिहार 24, दिल्ली एक, झारखंड के 68 समेत अन्य राज्यों से पधारे रचनाकारों को सम्मान दिया गया।

किन-किन को मिला सम्मान

मशहूर लेखिका डॉ. तारा सिंह, युवा पत्रकार हिमांशु झा, साहित्यकार व ज्योतिषाचार्य डॉ. कृष्णकांत मठपति, युवा लेखक सुधीर प्रसाद, डॉ. शिवशंकर पांडेय, डॉ. देवेंद्रनाथ साह, डॉ. इंदुभूषण मिश्र, दशरथ महतो, स्नेहलता, रामबतार अनुरागी, डॉ. अनीता शर्मा, रवींद्रनाथ भौमिक, डॉ. बाबूलाल साहा, हिना चक्रवर्ती, अवधेश कुमार झा, कल्याणी कुसुम सिंह, कृष्णा कुमारी, पोश दत्त द्वारी, रितु शिक्षा समेत अन्य रचनाकारों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया।

मुंबई से आई लेखिका डॉ. तारा सिंह की पुस्तक 'रम्पतटी' का विमोचन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन श्रीकांत झा ने किया। कार्यक्रम संचालन में आदर्श, आलोक आदि की सराहनीय भूमिका रही।

आज
पटना, मंगलवार, १ जुलाई, २०१४

महिला कॉलेज के सामने अवस्थित है जिसका मुख्य उद्देश्य कमजोर वर्ग के रोगों का सस्ते में इलाज एवं ऑपरेशन करना है।

न्यायालय में दाखिल किया। पटना २८ जून को है। पटना बालीडीह हटिया में भटी, वहीं भीष मोल पर जमाई रहता है तथा परिवारों के साथ रहकर कपड़ा बेचने का कारोबार करता है।

राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कार समारोह में १३५ व्यक्ति सम्मानित

(देवघर कार्यालय)

देवघर (आससे)। स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्टके युग बैनर तले जसीडीह पब्लिक स्कूल परिसरमें संस्कृत अकादमी पुरस्कार विजेता कमला रत्नम की शताब्दी जयंती तथा एक शाम कवियोंके नामकी १००वीं संगोष्ठीके अवसरपर राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कार समारोहके अवसरपर देशके १३५ व्यक्तियोंको भिन्न नामित पुरस्कारोंसे अलंकृत व विभूषित किया गया।

कार्यक्रमके प्रारंभमें मुख्य अतिथि देवघरके उपायुक्त अमित कुमार विवेकानंद संस्थानके केन्द्रीय अध्यक्ष डा. प्रदीप कुमार सिंह देव, योगमाया ट्रस्टके राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश प्रसाद सिंह श्वेताभ, समारोहके संयोजक सह हिन्दी विद्यापीठके प्राचार्य श्रीकांत झा, पूर्व आईजी कपिलदेव सिंह, देवघर जिला सांस्कृतिक विकास परिषदके सचिव रामसेवक सिंह गुंजन, संरक्षक इंजीनियर अंबष्ठ कुमार मिश्र व प्रो. रामनन्दन सिंहके करकमलोंसे दीप प्रज्वलन किया गया।

अपने भाषणमें उपायुक्त अमित कुमारने कहा आज यहां लघु भारत प्रत्यक्ष रूपमें विराजमान है। सदियोंसे कवि व साहित्यकार अपनी लेखनीसे राष्ट्रको मजबूती प्रदान करते आ रहे हैं। गुंजन व श्वेताभने भी सभीका स्वागत किया, आज के सम्मान समारोहमें पूरे राष्ट्रमें से महाराष्ट्रके दो, असमके दो, छत्तीसगढ़के एक, बिहारके चौबीस, नयी दिल्लीके दो, हिमाचल प्रदेशके तीन, कर्नाटकके ग्यारह, पश्चिम बंगालके छह, राजस्थानके तीन, पंजाबके तीन, उत्तरप्रदेशके नौ गुजरातके तीन, हरियाणाके एक एवं झारखंडके पैंसठ व्यक्तियोंको अतिथियोंके करकमलों से पुरस्कृत किया गया।

डा. तारा सिंहको कमलारत्नम साहित्य सलिला, डा. शिवकुमार पाण्डेयको सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, डा. देवेन्द्र नाथ साहको महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, डा. इंद्रभूषण मिश्रको माखनलाल चतुर्वेदी, मनोहर आश्रमको डा. भीमराव अम्बेदकर, कैलाश झा किंकरको मुंशी प्रेमचंद, दशरथ महतोको गोपाल सिंह नेपाली, स्नेहलताको सुभद्रा कुमारी चौहान, रामावतार अनुरागीको बिहार गौरव डा. अनिता शर्माको सरोजनी नायडू, सुधीर कुमार को भीष्म साहनी रवीन्द्र चन्द्र भौमिकको सुभाष मुखोपाध्याय, डा. बाबूलाल साहको भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हैना चक्रवर्तीको सुभद्रा काव्य सलिला, प्रो. अवधेश कुमार झा को स्वामी विवेकानंद, कल्याणी कुसुम सिंहको कबीरजी ताज, कृष्णा कुमारी कुमुदको मीराबाई चन्द्रशेखर प्रसादको काव्यश्री पंकज कुमार झा को कालिदास, प्रेम रतन दुरी को नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्र नाथ हरिनारायण गुप्ताको जी. शंकर कुरूप संजय कुमार अविनाशको कैफी आजमी, राजकुमार प्रेमीको रमानाथ अवस्थी, भगवान सिंह भास्करको साहित्य प्रहरी, तारन कुमार घोष को झारखंड गौरव, जालेश्वर ठाकुर शौकीनको जयशंकर प्रसाद, चन्द्रप्रकाश जगप्रियको बाबा साहब अम्बेदकर, रितु मिश्राको तबला मयूरी, सनातन कुमार वाजपेयीको डा. धर्मवीर भारती, सुरेश प्रसाद सिंह श्वेताभको मिर्जा गालिब, गिरीश प्रसाद गुप्ताको हरिशंकर परसाई, कपिलदेव सिंहको तुलसीदास, हरिशंकर वर्माको शंकर जयकिशन, हिमांशु झा को श्रीकांत वर्मा, प्रभाकर कापरीको हरिवंश तरुण, पायल कश्यपको फातिमा बेगम, उत्तम पीयूषको फणीश्वरनाथ रेणु, प्रदीप कुमार सिन्हाको जादूगर पीसी सरकार, श्याम बेसराको रांगेय राघव, कुमार दिनेश सिंहको भारतेन्दु हरिश्चन्द्र साहित्यश्री, महेन्द्र मयंकको देवकीनंदन खत्री, बबलु साहको केष्टो मुखर्जी कृष्णकांत मठपतिको आचार्य सीताराम चतुर्वेदी, प्रबोध कुमार बंधोपाध्यायको श्री श्री रामकृष्ण परमहंस राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कारोंकी मानद उपाधि से अलंकृत एवं विभूषित किया गया।

मौकेपर नवी मुम्बई निवासी दो सौ पैंतीस पुरस्कारोंसे सम्मानित डा. श्रीमती तारा सिंह द्वारा लिखित रचनाकी पुस्तकका विमोचन उपायुक्त व अन्य अतिथियों के करकमलों से किया गया, श्रीकांत झा द्वारा धन्यवाद ज्ञापनके साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, आदर्श व आलोक की भूमिका सराहनीय रही।

श्वेत पत्र

देवघर, 06 जून, रविवार 2014

करो भारत को नमन, बोलो भारतीय हैं हम : तारा सिंह

देवघर (निसं)। स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के संयुक्त बैनर तले 'एक शाम कवियों के नाम' कार्यक्रम की 100वीं संगोष्ठी के अवसर पर 'राष्ट्रीय काव्य महोत्सव' में देश के कई मशहूर कवियों की भागीदारी रही। मौके पर 'स्वर्णविभा' के संपादक अध्यक्ष, मुम्बई, महाराष्ट्र निवासी डॉ. तारा सिंह ने कहा करो भारत को नमन, बोलो भारतीय हैं हम, भारत की माटी नहीं, चंदन से कम, यहां पत्थर भी गाते, पर्वत भी पिघलते, यहां अतिथि सेवा, न देवता से कम। जबलपुर, मध्यप्रदेश से आए हुए 83 वर्षीय कवि भगवान कुमार वाजपेयी ने कहा लेखनी चलना न कर तू बन्द, तोड़ दे ये दर्द के तटबंध, चल सजा दे प्रेम के मधु छन्द, धूल कण को भेंट दे शुभ गन्ध। सूरत, गुजरात से आए कविवर चन्द्रशेखर प्रसाद ने कहा भ्रष्ट नेता पुलिस मिडिया छोड़ो, दो बोतल की खातिर जनता को बिकते देखा है, सोनिया, सुषमा, ममता, ललिता के राज में भी हर रोज नारी को आबरू लुटते देखा है। देवघर झारखंड के कवि डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा एक लम्बी प्रतीक्षा के बाद, अचानक तुम्हें जब देखा सोचा, यह है एक सपना, जो देख रही थी तिरछी नजर से, कभी थी सिर्फ मेरा अपना, स्थानीय कवि प्रारंभ में ही 'शारदे माँ शारदे, वर दे, सफल कर दे मनोरथ, शारदे' गीत की प्रस्तुति से तालियां बटोर ली। पटना बिहार से आई कवयित्री प्रो. कल्याणी कुसुम सिंह ने 'क्या बेटी होती है भूल' कविता के माध्यम कहा मुझको भी पृथ्वी पर आने दो, ममते। मुझको भी आने दो। लखीसराय, बिहार से आए कवि दशरथ महतो ने कहा जंगल की चिट्ठी आई है, पर्वत की चिट्ठी आई है, झरना, झील, नदी, सागर की चिट्ठी तुम्हारे नाम आई है। भागलपुर, बिहार से आए कवि डॉ. महेन्द्र मयंक ने कहा माँ गंगा ने मुझे बुलाया, भ्रष्टाचार को करो संहार, अखंड भारत देश हमारा वन्दे मातरम की जयकार, चंदवारा, मुजफ्फरपुर, बिहार से आए कवि हरिनारायण गुप्त ने कहा भावभूमि में भटक रही है मेरी पागल प्रीत, आओ पास सुनाओ प्रियतम प्यारा कोई गीता, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, बिहार से आए कवि डॉ. देवेन्द्र नाथ साह ने कहा हर भोर सम्मान का नाम नहीं है, शिष्टाचार में किसी को कोई काम नहीं है। पटना, बिहार से आए कवि डॉ. भगवान सिंह भास्कर ने कहा मुद्दत के बाद उनका जो पैगाम आ गया, था बेकरार दिल उसे आराम आ गया, लखनऊ, उत्तरप्रदेश से आई कवयित्री स्नेहलता ने नारी कविता के माध्यम से कहा नवरूप, नवरस, नवलय है, ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है, सत शिव सुंदर से रची हुई, यह ब्रह्मा की मानस-प्रति है। पटना, बिहार से आए कवि राजकुमार प्रेमी ने कहा हम धरती मां के बच्चे हैं, हम सत्य पुजारी सच्चे हैं, शिमला, हिमाचल प्रदेश से आए कवि डॉ. कुंवर दिनेश सिंह ने 'कल्कि के नाम फैक्स' पढ़कर सबको गुदगुदाया, मुंगेर, बिहार से आए कवि अनंद मुखर्जी ने 'चिंगारी' कविता पढ़ी। चिर मौन बदली में सुख जग को दे रहा हूं। इनके अलावे स्थानीय कवि डॉ. देवकुमार चटर्जी, अनिता चौधरी, किशोरेश त्रिपाठी, फाल्गुनी मर्दीक, कुशवाहा, अर्जुन श्रीवास्तव, मोतीलाल द्वारी तथा समस्तीपुर बिहार के डॉ. अवधेश कुमार झा, मुजफ्फरपुर बिहार के सुधीर कुमार व अन्य के भी अपनी-अपनी कविताओं से काव्य की अमृतधारा बहाई। मंच संचालन की भूमिका डॉ. देव ने निभाई जबकि धन्यवाद ज्ञापन मोतीलाल द्वारी ने किया।

आज
पटना, शुक्रवार, ४ जुलाई, २०१४

इनकी संख्या को सिमित पांच सौ से बढ़ाकर एक हजार रुपये करने पर सहमति बनी किन्तु पंडा धर्मरक्षिणी में विचार-विमर्श के बाद ही इसे लागू किया जायेगा।

राष्ट्रीय शिखर सम्मान समारोह में इन्हें भी मिला सम्मान

(देवघर कार्यालय)

देवघर (आससे)। स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के युग्म बैनर तले जसीडीह पब्लिक स्कूल परिसर में संस्कृत अकादमी पुरस्कार विजेता कमलारत्नम की शताब्दी जयंती तथा एक शाम कवियों के नाम की सौवीं संगोष्ठी के अवसर पर राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कार समारोह के अवसर पर राष्ट्र के अन्य कवियों को भी भिन्न नामित पुरस्कारों से अलंकृत व विभूषित किया गया।

रेणुका मिश्रा को नृत्य सुंदरी, डा. नरेश पांडेय चकोर को कविगुरु रविन्द्रनाथ, डा. मृदुला झा कमलारत्नम साहित्य सुरभ, डा. नलिनी विभा नाजुली को महादेवी वर्मा, डा. ललित पार्थ को पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र, ऋतिश चक्रवर्ती को विजयालक्ष्मी पंडित, अमित कुमार लाडी को डा. राही मासूम रजा, राजीव नामदेव को काका हाथरसी, सवित्री जगदीश चौरसिया को महादेवी वर्मा कावली, वृंदावन त्रिपाठी रत्नेश को कविगुरु रवीन्द्रनाथ साहित्यश्री, हलीम आइना को हरिशंकर परसाई, रसीक नागौरी को देवी प्रसाद कुसुमाकर, केडी यादव को गुरुदेव बोस, मैथिली वल्लभशरण को द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी, चित्रलेखा सिंह को साहित्य सुरभि, ललित मोहन राय को अवनीन्द्र नाथ टैगोर, डा. सुरेश आनंद को गणेश शंकर विद्यार्थी, सतीश आर्य को रवीन्द्रनाथ टैगोर, भोलानाथ मेहता को नरेश मेहता, डा. नरेन्द्रनाथ लाहा को काका हाथरसी, डा. रामनिवास आनंद को डा. शिवमंगल सिंह सुमन, डा. हरिराम पाठक को मुंशी प्रेमचंद, देवेन्द्र कुमार मिश्र को कविगुरु रविन्द, आचार्य राकेश बाबू तात्विक को काजी नजरूल इस्लाम, रमेश मनोहरा को गिरिजा कुमार माथुर, प्रोमिला भारद्वाज के कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान, खुर्शीदा खान को कवयित्री ताज, डा. नागेश्वर शर्मा को सुमित्रानंदन पंत, मोतीलाल द्वारी को आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, मुक्ताराम माकड़ माहिर को गजानन माधव मुक्तिबोध राष्ट्रीय शिखर सम्मान पुरस्कारों की मानद उपाधि से अलंकृत एवं विभूषित किया गया।

इनके अलावे महाराज चौधरी, अरुण कुमार शर्मा, श्रीकांत झा, डा. भारतेंदु दुबे, डा. जेसी राज, प्रो. हिमांशु कुमार सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, इंजीनियर ओमप्रकाश मिश्रा, अंजनी कुमार मिश्रा व इन्द्रानन सिंह, रवीन्द्र नाथ टैगोर, प्रेम कुमार, दीपक कुमार, देव कुमार चटर्जी, अनिता चौधरी, चंदन चटर्जी, वीरेश वर्मा, रामसेवक सिंह गुंजन, शांति प्रसाद मुंगारी, हलधर प्रसाद सिंह, गणेश प्रसाद डमर, प्रकाशचन्द्र झा, प्रणव कुमार, अर्जुन श्रीवास्तव, पूरन शंकर फलाहारी, किन्नरेश त्रिपाठी, फाल्गुनी मरीक कुशवाहा, आनंद मोहन राय, जॉनी राम, अजीत केशरी, धीरेन्द्र छतहारवाला, शुभद्रा पांडेय, संजीव परिहस्त, काजल कांति सिकदार, रवि अग्रवाल, सोमेश्वर मिश्र, प्रो. रामनंदन सिंह, शिप्रा झा, अभिषेक सूर्य, पवन टमकोरिया, प्रियरंजन कुमार, शशांक शेखर व आलोक संतोषी को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। और अंत में आनंद स्वरूप श्रीवास्तव को भगवती शरण वर्मा, गोवर्द्धन यादव को डा. शोभनाथ, रेणु शिरीषा कुमुदिनी को पद्मभूषण महादेवी वर्मा, नीलम ज्योति को मदर टेरेसा, डा. रीना भट्टाचार्य को अमृता प्रीतम, गौतम कुमार सिंह को बाबा आमटे, कैलाश बिहारी श्रीवास्तव को इलाहाबादी व आशा कुमारी को साहित्य साधिका राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

मौके पर डा. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा कि साहित्य का अर्थ है सबका हित करनेवाला, अतः जो साहित्य रुचियों एवं भावों का विकास करें, मनुष्य को सही अर्थों में मनुष्य बनाने के लिए प्रेरित करें, वही साहित्य है। किसी विद्वान ने कहा है कि संगीत, साहित्य कला विहीना, साक्षात पशुपुच्छ विना हीना। डा. जनक सिंह वीणा ने कहा कि साहित्य मानव की भावात्मक क्षुधापूर्ति करता है, साहित्य ही वर्तमान को अतीत से जोड़ता है, डा. तारा सिंह ने कहा कि साहित्य और समाज का अविच्छिन्न संबंध है, ये परस्पर अन्योन्याश्रित हैं। समाज शरीर है तो साहित्य उसकी आत्मा।

डा. कुंवर दिनेश सिंह ने कहा कि साहित्यकार बुद्धि के धरातल पर भावों के प्रसून खिलाता है, परंतु वह अपने कर्तव्य को कभी नहीं भूलता, स्नेहलता ने कहा कि शिक्षा की क्रांतियों का वर्णन सिर्फ इतिहास से विदित नहीं होता।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शैलेश कुमार, जसीडीह स्कूल के छात्र वृंद, रेडरोज के आदर्श कुमार, सम्मान के सदस्य सुधाकर कापरी व आलोक आनंद की भूमिका सराहनीय रही, श्रीकांत झा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

देश में कोई राष्ट्रीय मेला नहीं है : सांसद

वर्गीकृत

एड्स से मुक्ति